Revamping of Doordarshan

1685. SHRI D1GVIJAY SINGH :
SHRI MOHINDER SINGH LATHER:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) whether Govt, are losing revenue due to their inability to revamp Doordar-shan's Commercial and Programme Policy;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether there are any plans lo revamp Doordarshan's Commercial and Programme Policy: and

(d) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) and (d) While there is no proposal to revamp the commercial policy of Doordarshan, a revised fixed point chart providing for additional slot for entertainment programmes has already been adopted by Doordarshan from 1st January, 1993.

Second channel of Television for States

1686. SHRI PRAMOD MAHAJAN : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased *to* state :

(a) whether it is a fact that Government propose to give second channel of T.V. to the Slates :

(b) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH ; DEO) : (a) No. Sir.

(b) The existing provision in the Constitution of India which places broadcasting in the Union List is considered adequate.

देश में एफ० एम० (फ्रीक्वेंसी मॉड्यूल) आकाशवाणी केन्द्र

1687. **डा० बापू कालदाते** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री राज्य सभा में 24 नवम्बर, 1992 को अतारांकित प्रश्न 178 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के एफ० एम० केन्द्रों से प्रसारित कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार इन केन्द्रों से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की संख्या बढ़ाने का विचार रखती है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा निकट भविष्य में किन-किन स्थानों पर एफ० एम० केन्द्र शुरू किए जाने की संभावना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) एफ० एम० पद्धति पर संचालित स्थानीय रेडियो सायंकाल में प्रतिदिन 3 से 3½ घंटे के विकासात्मक, सूचना सम्बन्धी और मनोरंजन विषयक कार्यक्रमों का प्रसारण कर रहे हैं।

(ख) जी हां।

(ग) सभी स्थानीय केन्द्रों से निकट भविष्य में रोज 6 घंटे 30 मिनट तक ट्रांसमिशन बढ़ाने का प्रस्ताव है। ये केन्द्र अतिरिक्त समय अवधि के लिए उपयुक्त मनोरंजन कार्यक्रमों का रिले करेंगे।

(घ) निकट भविष्य में जिन स्थानों पर एफ० एम० केन्द्रों को संचालित करने की संभावना है उनके नाम संलग्न विवरण में दिए गए हैं।